जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 281 प्रभात अजमेर, मंगलवार 13 मई, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मोदी का देश को संबोधन जोशीला तो था, पर, ट्रंप के दावे के बारे में चुप रहा

दिल्ली अभी वॉशिंगटन को रूष्ट नहीं कर सकती, क्योंकि कई मामले इस वक्त दांव पर हैं, जैसे अडानी उद्योग समूह का मामला

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को अपने 23 मिनट लंबे संबोधन में जहाँ देश की सशस्त्र सेनाओं और अर्द्धसैनिक बलों द्वारा शुरु किए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना की, वहीं, उन्होंने अमेरिका की मध्यस्थता से भारत और पाकिस्तान के बीच हुई विवादित युद्धविराम संधि पर कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने यह जरूर कहा कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद और आतंकवादियों का समर्थन करता रहेगा, तब तक उससे कोई बातचीत नहीं होगी।

प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम यह संबोधन मीडिया द्वारा सरकार के प्रचार अभियान को विश्वसनीय बनाने की दिशा में सोचा-समझा प्रयास प्रतीत हो रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सरकार की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करना है।

हिंदी में भाषण देते हुए, मोदी ने अमेरिकी मध्यस्थों द्वारा इस धारणा को दूर करने की कोशिश की कि भारत और पाकिस्तान ने किसी तटस्थ स्थान पर बातचीत करने पर सहमति जताई है। उन्होंने दोहराया कि आतंक और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते और कहा, "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।"

प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने किस तरह पाकिस्तान की सैन्य ठिकानों और

- मोदी ने यह भी कहा कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ "मिलिटरी एक्शन" को केवल "पॉज़" किया है तथा स्थगित नहीं किया है और अब भारत, पाकिस्तान के आचरण व व्यवहार पर कड़ी नज़र रखेगा तथा सेना को पूर्ण तैयार व सजग रहने की हिदायत दी गई है तथा पाकिस्तान की ओर से जरा भी आतंकवादियों को मदद करने वाली घटना सामने आई तो भारत बमबारी पुनः शुरु कर देगा।।

आतंकी ठिकानों को नष्ट किया।

प्रधानमंत्री विपक्ष के इस आरोप का खंडन करने की कोशिश कर रहे थे कि भारत ने पाकिस्तान से बातचीत करने पर सहमति जताई है। लेकिन मोदी ने बड़ी सावधानीपूर्वक अपने मित्र डॉनल्ड ट्रंप की घोषणा का खंडन करने से बचने की कोशिश की जो यह दावा करते हुए नहीं थक रहे हैं कि उनके प्रशासन ने दोनों देशों को न केवल युद्धविराम के लिए राज़ी किया, बल्कि एक परमाणु संघर्ष को टाल दिया।

ऐसा लग रहा है कि मोदी के मित्र राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उन्हें बड़ी मुश्किल स्थिति में पहुंचा दिया है। ट्रंप ने "ट्रुथ सोशल" पर पोस्ट किया कि वे कश्मीर समाधान के लिये भारत और पाकिस्तान के साथ काम करना चाहते हैं। और ट्रंप की इस पोस्ट से विपक्ष को भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की आलोचना करने का सुअवसर मिल गया। अब विपक्ष मोदी सरकार पर खुलकर आरोप लगायेगा कि सरकार देश के एक सर्वाधिक संवेदनशील द्विपक्षीय मामले में तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप होने दे रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी असहज करने वाली है, लेकिन अमेरिका के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार समझौता दांव पर होने के कारण, वे सार्वजनिक रुप से ट्रंप की "शांति दूत" की उनकी विशिष्ट छाप वाली भूमिका को खारिज नहीं कर सकते। वहीं, देश के भीतर उनके समर्थक उन्हें शक्ति प्रदर्शन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, और सरकार का छवि-निर्माता तंत्र इस कहानी पर पुनः नियंत्रण पाने के लिए पूरी तरह सक्रिय है तथा यह स्पष्ट करना चाहता है कि भारत वॉशिंगटन से निर्देश नहीं लेता।

हालांकि, ट्रंप और मोदी, दोनों के ही अपने-अपने अहम् हैं, लेकिन आज तक प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा के पूरे घटनाक्रम पर एक शब्द भी नहीं कहा है। उनकी चुप्पी रहस्यमय है, लेकिन जानकार सूत्रों का मानना है कि नई दिल्ली अमेरिका को नाराज़ नहीं कर सकती, क्योंकि इससे कई बड़ी चीजें जुड़ी हैं, जिन्हें आम नागरिक नहीं समझ सकते। इनमें अडानी समूह से संबंधित मुद्दे भी शामिल हैं।

विपक्ष के लिए ट्रंप की टिप्पणी कोई कूटनीतिक चूक नहीं है, बल्कि भारत की संप्रभुता के लिए सीधी चुनौती है, और वे मांग कर रहे हैं कि इस मुद्दे पर संसद में ही जवाब दिया जाए।

इससे पहले, मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब देश की सुस्थापित आतंकवाद -विरोधी नीति का हिस्सा है और यह इस दिशा में एक नया मानक स्थापित करता है। प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों, खुफिया एजेंसियों और वैज्ञानिकों की सराहना की कि उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सफल अभियान को अजाम दिया।

इस बात पर जोर देते हुये कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई सिर्फ रोकी है, मोदी ने कहा कि भारत, इस्लामाबाद की हर गतिविधि पर सूक्ष्म और कड़ी नजर रखे हुये हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, "हमने पाकिस्तान के आतंक और सैन्य ठिकानों के खिलाफ हमारी जवाबी कार्रवाई को मात्र थोड़ी देर के लिए रोका है। आने वाले दिनों में, हम पाकिस्तान की गतिविधियों को परखेंगे तथा उसके रुख को देखेंगे। भारत की तीनों सेनाएं- वायुसेना, थलसेना और नौसेना- बीएसएफ और अर्धसैनिक बल लगातार सतर्क हैं। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी की न्यायिक हिरासत 25 मई तक बढ़ी

जयपुर, 12 मई। ईडी मामलों की विशेष अदालत ने सोमवार को जल जीवन मिशन के करीब 900 करोड़ रुपए घोटाले से जुड़े मामले में पूर्व मंत्री महेश जोशी की न्यायिक हिरासत अवधि 25 मई तक बढ़ा दी है। वहीं अदालत ने जोशी को आगामी सुनवाई पर व्यक्तिगत तौर पर कोर्ट में पेश करने को कहा है।

जोशी के अधिवक्ता दीपक चौहान ने बताया कि पत्नी के निधन पर कोर्ट ने

- विशेष अदालत ने ईडी को अगली सुनवाई पर महेश जोशी को व्यक्तिगत तौर पर पेश करने को कहा।

उन्हें 8 से 10 मई तक तीन दिनों की अंतरिम जमानत दी थी। अंतरिम जमानत अवधि खत्म होने के बाद उन्होंने 11 मई को कोर्ट आदेश की पालना में जेल में सरेंडर कर दिया था। वहीं, इससे पहले उन्हें पत्नी के अंतिम क्रियाकर्म व धार्मिक रिवाजों के निर्वाह के लिए कोर्ट ने 28 अप्रैल को चार दिन की अंतरिम जमानत दी थी। गौरतलब है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर में होंगे आईपीएल के 3 मैच

जयपुर , 12 मई। राजस्थान रॉयल्स के वाइस प्रेसिडेंट राजीव खन्ना ने बताया कि इंडियन प्रीमियर लीग 17 मई से फिर शुरू होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईपीएल का री-शेड्यूल जारी कर दिया है। 6 वेन्यू पर लीग स्टेज के बचे हुए 13 मैच होंगे। इनमें एक वेन्यू जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम भी है।

बीसीसीआई ने जयपुर में तीन मैच कराने का फैसला किया है।

मोदी की नयी "न्यूक्लियर डॉक्ट्रिन"

मोदी ने अपने देश के नाम संदेश में साफ कहा, कि पाकिस्तान की "न्यूक्लियर बम" की धमकी के आगे नहीं झुकेगा भारत

-अंजर रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बयान दिया है कि पाकिस्तान भले ही कोई भी परमाणु धमकी दे, इसके बावजूद भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई से कोई समझौता नहीं करेगा।

मोदी का आज का बयान भारत के परमाणु सिद्धांत के बारे में बहुत स्पष्ट तरीके से कई भ्रमों को दूर करता है, जो युद्धिवराम की घोषणा के बाद उत्पन्न हुए थे।

यह बयान इस संदर्भ में प्रासंगिक है, क्योंकि कुछ समय से यह चर्चा हो रही थी कि भारत और पाकिस्तान के बीच अचानक हुआ युद्धिवराम संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा मध्यस्थता किए जाने के कारण था, क्योंकि पाकिस्तानी पक्ष भारत पर तत्काल परमाणु हमला करने की योजना बना रहा है।

यह कहानी तब और भी बढ़ गई थी, जब भारतीय सूत्रों या प्रधानमंत्री द्वारा सीज़फायर की जानकारी देने से पहले ही डॉनल्ड ट्रंप ने इसकी घोषणा कर दी और जब डॉनल्ड ट्रंप ने आज बयान दिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों से ही व्यापार बढ़ाने का वादा किया था, जिसके कारण दोनों देशों के नेताओं ने युद्धिवराम समझौता कर लिया तो यह बात और उभर कर सामने आई। दोनों देशों के बीच घृणा और तनाव को देखते हुए यह बयान काफी हास्यास्पद लगता है कि दोनों देश अमेरिका द्वारा ट्रेड की पेशकश करने पर युद्धिवराम और शांति को तुरंत स्वीकार करने को मान गए।

इसके साथ ही घटनाओं का एक और संस्करण भी है। अमेरिकी राष्ट्रपति यूक्रेन में शांति स्थापित करने में पूरी तरह से असफल रहे हैं और रूस ने उनके सभी प्रस्तावों को दृढ़ता से नकार दिया है। डॉनल्ड ट्रंप को दक्षिण एशिया में युद्धविराम करवाकर "डील मेकिंग"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मोदी का यह वक्तव्य इस घड़ी में बहुत महत्व रखता है, क्योंकि चर्चा फैली थी, कि अमेरिका दोनों देशों के बीच "सीज़फायर" करवाने के मसले में आनन-फानन में इसलिये कूदा क्योंकि ट्रंप को उसकी "इन्टैलिजेन्स एजेंसियों" ने खबर दी थी कि, पाकिस्तान तुरंत भारत पर "न्यूक्लियर स्ट्राइक" करने को तैयार खड़ा है।
- इस चर्चा को इस बात से कुछ पुष्टि मिली, कि "सीज़फायर" की घोषणा ट्रंप ने पहले कर दी बाद में भारतीय प्र.मंत्री व सूत्रों ने "सीज़फायर" की पुष्टि की थी।
- दूसरी चर्चा यह थी कि, ट्रंप, यूक्रेन व रुस के बीच में शांति स्थापित कराने में सफल नहीं हो पाये थे, अतः वे भारत-पाक के बीच सीज़फायर की घोषणा करके, अपनी डील -मेकिंग की प्रतिष्ठा को कुछ हद तक पुनः स्थापित करना चाहते थे।
- अब नवीनतम चर्चा यह है कि, अमेरिका ने चीन से "टैरिफ वॉर" में कुछ समझौता सा कर लिया है। अतः भारत अकेला सा पड़ गया, क्योंकि चीन तो पहले ही घोषणा कर चुका है कि, वह पाकिस्तान के साथ है। अतः अमेरिका तटस्थ हो गया तो लौटकर भारत को पुराने मित्र रुस के निकट ही जाना पड़ेगा।

ट्रंप ने मोदी को अटपटी स्थिति में डाला

भारत-पाक विवाद पर मध्यस्थता का प्रस्ताव देकर, ट्रंप ने पाकिस्तान की भारी मदद की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ युद्धविराम के निर्णय पर घरेलू असंतोष को खत्म करने के लिए एक भावनात्मक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा कश्मीर पर मध्यस्थता के प्रस्ताव का उत्तर देने कोशिश की, लेकिन अप्रत्यक्ष रुप से।

मोदी के संबोधन से कुछ ही घंटों पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच बड़े संघर्ष को रोकने का श्रेय लेने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि उन्होंने दोनों देशों के नेताओं को यह चेतावनी दी थी कि यदि वे युद्धविराम पर सहमत नहीं होते तो अमेरिका इन दोनों देशों के साथ व्यापार नहीं करेगा। ट्रंप ने इजरायल -हमास युद्ध और रुस -यूक्रेन संघर्ष को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसलिए, वे भारत-पाकिस्तान युद्ध को बढ़ने से रोकने का श्रेय लेना चाहते हैं। इस प्रक्रिया में उन्होंने भारत को पाकिस्तान के बराबर रखकर कश्मीर मुद्दे का अन्तर्राष्ट्रीयकरण किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अप्रत्यक्ष रुप से ट्रंप की स्थिति का जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान का "परमाणु झांसा" भारत को प्रभावित नहीं करेगा और भले ही युद्ध रोक दिया गया हो, भविष्य में पाकिस्तान की ओर से भारत में आतंकवाद फैलाने की कोशिशों के मामले में भारत के सैन्य विकल्प खुले रहेंगे। प्रधानमंत्री ने वैश्विक समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान के साथ संभावित वार्ता केवल आतंकवाद और पाक अधिकृत कश्मीर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस प्रस्ताव से कश्मीर विवाद का अंतर्राष्ट्रीयकरण हो गया, जो पाकिस्तान सदा से चाहता था।
- मोदी ने इस विषय को हल्का कर दिया, यह कह कर कि, "सीज़फायर" नहीं हुआ है, केवल तत्कालिक ठंडे छींटे दिये हैं और अगर पाकिस्तान ने पुनः आंतकवादियों की गतिविधियों में मदद की तो भारत पुनः बमबारी करेगा।

पेपर लीकः एसओजी ने एक और एसआई को गिरफ्तार किया

जयपुर, 12 मई (का.सं.)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) की टीम ने सोमवार को उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में एक और प्रोबेशनर उप निरीक्षक (एस.आई.) समेता कुमारी को गिरफ्तार किया है।

- पुलिस अनुसंधान के अनुसार, उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 में आरोपी एसआई समेता कुमारी ने लिखित परीक्षा में अपने स्थान पर डमी संगीत विश्नोई को बैठाया था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एस.ओ.जी. वी.के. सिंह ने बताया कि ट्रेनी एसआई से पहले पूछताछ की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"सीज़फायर" की घोषणा के बाद कर्नाटक, सरकार के दो साल पूरे होने का जश्न जोश से मनाएगा

एक बार, भारत-पाक युद्ध के हालात के कारण कर्नाटक ने सरकार की दूसरी वर्ष गांठ का कार्यक्रम रद्द करने का मन बना लिया था

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। अगर भारत-पाकिस्तान युद्ध और लम्बा खिंचता, तो कर्नाटक सरकार अपने कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले समारोहों को स्थगित कर देती। लेकिन अब, चूँकि युद्धविराम की घोषणा हो गई है, इसलिये राज्य सरकार इस अवसर पर कई कार्यक्रमों और समारोहों की योजना बना रही है।

इस कार्यक्रमों की सूची में सबसे ऊपर है- लाभार्थियों को एक लाख "पट्टा खाता" (जमीन के दस्तावेज) का वितरण। यह चुनावी वादा कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में किया था। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिव कुमार ने आज इसकी घोषणा कर दी। शिव कुमार ने कहा, "हमने जो वादा किया था, उसे पूरा कर दिया है। यह समारोह केवल सरकार तक सीमित नहीं है, इसकी परिधि में राज्य के सभी लोग हैं। इस अवसर पर हम एक लाख "पट्टा खाता" जारी करेंगे।"

शिव कुमार ने आगे कहा, "हम हमारी सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले समारोहों को, सीमा पर चल रहे संघर्ष के कारण, स्थगित करने के बारे में सोच रहे थे। अब, चूँकि युद्धविराम हो गया है, हमने यह कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय ले लिया है। हमने जिला-प्रभारी मंत्रियों तथा विधायकों से कहा है कि वे जिला-स्तरों पर पार्टी कार्यकर्ताओं और अधिकारियों की मीटिंग आयोजित करें।"

शिव कुमार ने कहा, राजस्व विभाग एक लाख पट्टा खाता जारी करेगा, जैसा कि कांग्रेस ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया था। उन्होंने कहा, "हम इस कार्यक्रम के लिये राष्ट्रीय नेताओं को आमंत्रित करेंगे।"

जब उनसे "भारतीय मामलों, जिनसे भारत अपने स्तर पर निबटेगा, पर किसी बाहरी सहायता या हस्तक्षेप को खारिज करने वाले) श्रीमती इंदिरा गांधी के बयान के बारे में प्रश्न किया गया, जो इस समय वायरल हो रहा है तथा जिसे केन्द्र सरकार की सीधी आलोचना माना जा रहा है, तो उप मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं इस पर टिप्पणी करना नहीं चाहता। इस मुद्दे पर पार्टी के विचार हमारे राष्ट्रीय नेता ही व्यक्त करेंगे।"

- इस अवसर पर सरकार एक लाख पट्टे वितरित करेगी। जैसा कि विदित ही है, यह कांग्रेस सरकार का चुनावी वादा था, जो घोषणा पत्र में दोहराया गया था।

प्र.मंत्री नहीं आए तो सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार करेगी कांग्रेस

नयी दिल्ली, 12 मई। कांग्रेस ने कहा है कि पहलगाम हमले के बाद दो बार सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है, लेकिन अब जब सर्वदलीय बैठक होगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं आए तो कांग्रेस बैठक का बहिष्कार करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहलगाम मुद्दे पर पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठकों में प्रधानमंत्री को मौजूद रहना चाहिए था, लेकिन यदि वे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस के नेता भूपेश बघेल ने पार्टी मुख्यालय पर पत्रकारों को बताया, प्रधानमंत्री पहली दो बैठकों में भी नहीं आए, जबकि उन्हें आना चाहिए था।

भारत-पाक युद्ध में दो "वैपन सिस्टम्स" को भी पैनी नज़र से आंका गया

पाकिस्तान के 80 प्रतिशत हथियार, चीन से आए हैं तथा दूसरी ओर भारत के अस्त्र-शस्त्र मूलतः पश्चिमी देशों से प्राप्त किये गये हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 मई। कुछ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों ने वर्तमान भारत-पाकिस्तान टकराव को रक्षा तकनीकों की प्रतिस्पर्धा में लगे खिलाड़ियों- एक ओर चीन और दूसरी ओर पश्चिम- के बीच के प्रॉक्सी युद्ध के रूप में प्रस्तुत किया है।

ये मीडिया संस्थान इस संघर्ष को चीनी हार्डवेयर, जो पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हथियारों का लगभग 80 प्रतिशत है और भारत द्वारा इस्तेमाल की जा रही पश्चिमी रक्षा प्रणालियों और हथियारों के बीच की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। ये संस्थान इन प्रणालियों का मूल्यांकन पश्चिमी रक्षा और रणनीतिक विशेषज्ञों के हवाले से कर रहे हैं।

चीन ने एक नई महाशक्ति के रूप में अपनी भूमिका स्थापित करने के लिए आपातकालीन आधार पर हथियार और उच्च तकनीक रक्षा उत्पादन उद्योग को विकसित किया है, जिससे वह अमेरिका और उसके सहयोगियों का प्रतिद्वंद्वी बन सके। चीन ने पिछले चार दशकों से कोई युद्ध नहीं लड़ा है और उसके विकसित किए गए हथियारों का अब तक किसी वास्तविक युद्ध स्थिति में उपयोग नहीं हुआ है।

चीन ने पाकिस्तान की सेना के आधुनिकीकरण में सक्रिय रूप से योगदान दिया है और देश को आसान शर्तों पर हथियारों की आपूर्ति की है, मुख्यतः इस उम्मीद पर कि इनका उपयोग भारत के साथ किसी वास्तविक संघर्ष में किया जा सके। अनुमानों के अनुसार, पाकिस्तान के शस्त्रागार का कम से कम 80 प्रतिशत हिस्सा चीन में बने हथियारों का है।

इसके मुकाबले भारत अब तक मुख्य रूप से रूस निर्मित हथियार प्रणालियों पर निर्भर रहा है। केवल हाल ही में भारत ने पश्चिमी स्रोतों से, विशेष रूप से फ्रांस से, हथियारों की बड़ी खरीद की है। इस संदर्भ में, पश्चिमी मीडिया कुछ पाकिस्तानी स्रोतों का हवाला देकर यह बताने में लगा है कि कम से कम एक भारतीय राफेल विमान को पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने मार गिराया है। अनाम फ्रांसीसी स्रोत ने भी इस दावे की पुष्टि की और कथित रूप से कहा कि पाकिस्तानियों ने एक राफेल विमान को गिराया है।

चूंकि पाकिस्तान ने मुख्य रूप से चीन से बने लड़ाकू विमान इस्तेमाल किए हैं, इसलिए पश्चिमी विश्लेषक चीनी तकनीक की श्रेष्ठता की बात कर रहे हैं। हालांकि, किसी भी विश्लेषक और उनके स्रोत ने यह नहीं बताया कि क्या पाकिस्तानियों ने वास्तव में गिराए गए राफेल के मलबे को दिखाया है या नहीं।

ऐसी स्थिति में भारत सरकार को सामने आकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। जब हवा में 100 से ज्यादा विमानों की भिडंत हुई हो तो एक विमान का नुकसान कोई असाधारण बात नहीं है।

हालाँकि, कुछ विश्लेषक भारतीय पायलटों द्वारा विमान को उड़ाने की शैली या उनकी तैयारी और प्रशिक्षण को दोष दे रहे हैं। इन तर्कों का उद्देश्य यह दिखाना है कि यह चीन के विमानों की तकनीकी श्रेष्ठता ने नहीं, बल्कि भारतीय पायलटों की कमज़ोर तैयारी थी जिसने नुकसान पहुंचाया।

अगर देखा जाए, तो यह टकराव दो मित्रों, चीन और रूस के बीच का संघर्ष हैं, क्योंकि सामान्य जानकारी के अनुसार, भारत की हथियार प्रणाली मुख्य रूप से रूस निर्मित हैं और पाकिस्तान की चीन में बनी है।

हम जो कथानक सुन रहे हैं, उनके विपरीत अंतरराष्ट्रीय मीडिया एक अलग ही तस्वीर पेश कर रहा है और भारतीय प्रदर्शन को नकारात्मक रूप में दिखा रहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इसी संदर्भ में भारत के एक राफेल विमान को मारकर गिरा देने की खबर पर मीडिया में भारी रूचि रही और शायद अभी पाकिस्तान का दावा वाद विवाद में फंसा हुआ है।
- चीन ने अपने हथियार व वैपन सिस्टम अमेरिका व अन्य पश्चिमी देशों के विकल्प के रूप में विकसित किये हैं। परन्तु, चीन ने चार दशक से कोई युद्ध नहीं लड़ा है। अतः चीन द्वारा विकसित व निर्मित इन "वैपन सिस्टम" की फील्ड में कोई टैस्टिंग नहीं हुई है। अतः भारत-पाक युद्ध में चीन व पश्चिमी देशों में निर्मित विमान की तुलनात्मक टैस्टिंग भी हो रही है।
- "वैपन सिस्टम" निर्माता अपने हथियारों की असफलता स्वीकार करने को कतई तैयार नहीं हैं। अगर "वैपन" (जैसे राफेल विमान) को गिराया जाना साबित हो भी जाता है तो यह तर्क प्रस्तुत किया जाता है कि पायलट "पूरी तरह" प्रशिक्षित नहीं थे। इतनी आधुनिक मशीन को चलाने के लिए।

सीमावर्ती जिलों में आज से खुलेंगे स्कूल कॉलेज

जयपुर, 12 मई। भारत-पाक में सीज़फायर के बाद, राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में स्थितियां सामान्य हो गई हैं, हालांकि श्रीगंगानगर में आज भी शाम 7 बजे बाजार बंद हो गए। जिला प्रशासन ने लोगों से स्वैच्छिक ब्लैकआउट करने की अपील की है।

- जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर में 13 मई से शिक्षण संस्थान खुलेंगे। श्रीगंगानगर में भी हालात सामान्य हैं, पर, सोमवार शाम से बाज़ार बंद हो गए। इन जिलों में स्वैच्छिक ब्लैक आउट की अपील की गई है।

इसके अलावा, कलेक्टर डॉ. मंजू ने जिले के किसी भी क्षेत्र में पाकिस्तानी सिम का इस्तेमाल करने पर बैन लगाया है।जोधपुर, बीकानेर और बाड़मेर में बंद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)